2023-24

त्रैमासिक मूल्यांकन

हिन्दी, कक्षा-10

समय 3 घंटा पूर्णांक-75

प्र01. सही विकल्प का चयन कर लिखिए- 6

(1) आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने हिन्दी पद्य साहित्य को विभाजित किया है-
(1) तीन कालों में (2) चार कालों में (3) सात कालों में (4) आठ कालों में

(2) 'परसु' का अर्थ होता है-
(1) पत्थर (2) बाण (3) फरसा (4) धनुष

(3) "विभावानुभाव व्यभिचारी संयोगद्रसः निष्पत्ति" यह परिभाषा है-
(1) आचार्य विश्वनाथ की (2) मम्मट की (3) पं. जगन्नाथ की (4) भरतमुनि की

(4) अंतिम बार हवलदार साहब ने नेताजी की मूर्ति पर कौन-सा चश्मा लगा देखा था-
(1) प्लास्टिक का (2) स्टील का (3) सरकंडे का (4) संगमरमर का

(5) जिन मूल शब्दों से मिलकर समास बना है उसमें से पहले पद को कहते हैं-
(1) पूर्वापर (2) पूर्वपद (3) उत्तरपद (4) मध्यपद

(6) 'माता का आँचल' पाठ के आधार पर मकई के खेत में झुण्ड चर रहा था-
(1) बकरियों का (2) भैसों का (3) भेड़ों का (4) चिड़ियों का

प्र02. रिक्त स्थानों की पूर्ति कर लिखिए- 6

(1) तुलसीदास ने रामचरितमानस की रचना.................................भाषा में की थी।
(2) आश्रय की बाह्य शारीरिक चेष्टाओं को...कहते हैं।
(3) विस्तृत कलेवर वाले काव्य को...कहते हैं।
(4) 'दिल्ली चलो का नारा'...................................ने दिया था।
(5) ....वाक्य से किसी क्रिया के करने या होने की सामान्य सूचना मिलती है।
(6) भोलानाथ और उसके साथी 'अमोले' को घिसकर...बनाते थे।

प्र03. निम्नलिखित कथनों के समक्ष सत्य या असत्य लिखिए- 6

(1) 'सूरदास के पद' में 'तेल की गागरि' श्री कृष्ण को कहा गया है।
(2) संचारी भावों की संख्या पैंतीस मानी गई है।
(3) बालगोबिन भगत मँझोले कद के गोरे चिट्टे व्यक्ति थे।
(4) लेखक ने मइयाँ के आँचल को प्रेम और शांति के चंदोवे की छाया कहा है।
(5) वाच्य के चार प्रकार है।
(6) लेखक शिवपूजन सहाय के पिता आटे की गोलियाँ मछलियों को खिलाते थे।

प्र04. सही जोड़ी का मिलान कीजिए-

6

(1)	भृगुकुल के ध्वज	–(1) माता	
(2)	दोहा	–(2) बहुत प्रिय	
(3)	कहानी के तत्व	– (3) सन्नाटा	
(4)	निस्तब्धता	–(4) लक्ष्मण	
(5)	गले का हार	–(5) अर्धसम मात्रिक छंद।	
(6)	महतारी	– (6) चार	
		– (7) छः	–(8) महात्मा
		–(9) परशुराम	– (10) वर्णिक छंद
		–(11) कोलाहल	– (12) आभूषण

प्र05. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए– 6

(1) राम–लक्ष्मण–परशुराम संवाद किस घटना के कारण हुआ था।

(2) उद्दीपन किसे कहते है ?

(3) बालगोबिन भगत की प्रभातियाँ किस माह से शुरू होकर किस माह तक चलती थी ?

(4) दो स्वरों के आपस में मिलने पर कौन–सी संधि होगी ?

(5) 'आम के आम गुठली के दाम' लोकोक्ति का अर्थ लिखिए।

(6) हिन्दी का स्मरण–शिल्प में लिखा गया पहला उपन्यास कौन सा माना जाता है ?

प्र06. रीतिकाल की कोई–दो विशेषताएँ/प्रवृत्तियाँ लिखिए। 2

अथवा नई कविता के कोई दो कवि एवं उनकी एक–एक रचना का नाम लिखिए।

प्र07. सूरदास अथवा तुलसीदास की काव्यगत विशेषताएँ निम्न बिन्दुओं के आधार पर लिखिए– 2

(1) दो रचनाएँ (2) भावपक्ष–कलापक्ष

प्र08. कृष्ण के प्रति अपने अनन्य प्रेम को गोपियों ने किस प्रकार अभिव्यक्त किया है ? 2

अथवा 'राम–लक्ष्मण–परशुराम संवाद' पाठ के आधार पर राम के स्वभाव की कोई दो विशेषताएँ लिखिए।

प्र09. गोपियों ने उद्धव से योग की शिक्षा कैसे लोगों को देने की बात की है ? 2

अथवा लक्ष्मण ने वीर योद्धा की क्या–क्या विशेषताएँ बताई है ? कोई दो विशेषताएँ लिखिए।

प्र010. प्रबंध काव्य किसे कहते है ? प्रबंध काव्य के भेद के नाम लिखिए। 2

अथवा हास्य रस की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए।

प्र011. महाकाव्य और खण्डकाव्य में कोई दो अंतर लिखिए। 2

अथवा चौपाई छंद के लक्षण उदाहरण सहित लिखिए।

प्र012. रिपोर्ताज किसे कहते है ? किसी एक रिपोर्ताज का नाम उसके लेखक सहित लिखिए। 2

अथवा जीवनी और आत्मकथा में कोई दो अंतर लिखिए।

प्र013. स्वयं प्रकाश अथवा रामवृक्ष बेनीपुरी की साहित्यिक विशेषताएँ निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर लिखिए–

2

(1) दो रचनाएँ (2) भाषा–शैली

प्र014. मूर्ति पर लगा सरकंडे का चश्मा क्या उम्मीद जगाता है ? 2
अथवा बालगोबिन भगत की दिनचर्या लोगों के अचरज का कारण क्यों थी ?

प्र015. कैप्टन बार–बार मूर्ति पर चश्मा क्यों लगा देता था ? 2
अथवा बालगोबिन भगत के मधुर गायन की विशेषताएँ लिखिए।

प्र016. निम्नलिखित वाक्यांश के लिए एक शब्द लिखिए– 2
(1) जो बात लोगों से सुनी गई हो।
(2) कम खर्च करने वाला
अथवा निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखते हुए वाक्य में प्रयोग कीजिए–
(1) आग में घी डालना (2) चार चाँद लगना

प्र017. भोलानाथ अपने साथियों को देखकर सिसकना क्यों भूल जाता हैं ? लिखिए। 2
अथवा बच्चें माता–पिता के प्रति अपने प्रेम को कैसे अभिव्यक्त करते हैं ? लिखिए।

प्र018. निम्नलिखित काव्यांश का संदर्भ–प्रसंग सहित भावार्थ लिखिए– 3
हमारे हरि हारिल की लकरी। **(शब्द सीमा लगभग 75 शब्द)**
मन क्रम बचन नंद नंदन उर, यह चढ़ करि पकरी।
जागत सोवत स्वप्न दिवस निसि, कान्ह कान्ह जकरी।
सुनत जोग लागत है ऐसों, ज्यौं करूई ककरी।
सु तौ व्याही हमको लै आए, देखी सुनी न करी।
यह तो सूर तिनहिं लै सौपों जिनके मन चकरी।

अथवा

नाथ संभुधनु भंजनिहारा। होइहि केउ एक दास तुम्हारा।।
आयेसु काह कहिअ किन मोही। सुनि रिसाइ बोले मुनि कोही।।
सेवकु सो जो करै सेवकाई। अरि करनी करि करिअ लराई।।
सुनहु राम जेहि सिवधनु तोरा। सहसबाहु सम सो रिपु मोरा।।

प्र019. निम्नलिखित गद्यांश की संदर्भ–प्रसंग सहित व्याख्या लिखिए– 3
अब हालदार साहब को बात कुछ–कुछ समझ में आई। एक चश्मेवाला है जिसका नाम कैप्टन है। उसे नेताजी की बगैर चश्मेवाली मूर्ति बुरी लगती है। बल्कि आहत करती है, मानो चश्मे के बगैर नेताजी को असुविधा हो रही हो। इसलिए वह अपनी छोटी–सी दुकान में उपलब्ध गिन–चुने फ्रेमों में से एक नेताजी की मूर्ति पर फिट कर देता है। लेकिन जब कोई ग्राहक आता है और उसे वैसे ही फ्रेम की दरकार होती है जैसा मूर्ति पर लगा है तो कैप्टन चश्मेवाला मूर्ति पर लगा फ्रेम संभवतः नेताजी से क्षमा माँगते हुए लाकर ग्राहक को दे देता है और बाद में नेताजी को दूसरा फ्रेम लौटा देता है। वाह! भई खूब ! क्या आइडिया है।

अथवा

वह गृहस्थ थे, लेकिन उनकी सब चीज 'साहब' की थी। जो कुछ खेत में पैदा होता, सिर पर लादकर पहले उसे साहब के दरबार में ले जाते जो उनके घर से चार कोस दूर था– एक कबीरपंथी मठ से मतलब! वह दरबार में भेंट रूप रख दिया जाकर प्रसाद रूप में जो उन्हें मिलता, उसे घर लाते और उसी से गुजर चलाते।

प्र020. धूम्रपान को रोकने के लिए उसकी हानियाँ बताते हुए एक विज्ञापन 25 से 50 शब्दों में तैयार कीजिए। 3

अथवा 'परोपकार का महत्व' विषय पर एक अनुच्छेद लिखिए।

प्र021. निम्नलिखित अपठित काव्यांश अथवा गद्यांश को पढ़क पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए– 4

(शब्द सीमा लगभग 120 शब्द)

मनमोहिनी प्रकृति के जो गोद में बसा है,
सुख स्वर्ग सा जहाँ है वह देश कौन–सा है ?
जिसका चरण निरंतर रत्नेश धो रहा है,
जिसका मुकुट हिमालय, वह देश कौन–सा है ?

प्रश्न– (1) रत्नेश शब्द के दो पर्यायवाची लिखिए।
(2) उपर्युक्त पंक्तियों में किस देश की बात हो रही है।
(3) हिमालय शब्द का सन्धि विच्देद कर सन्धि का नाम लिखिए।

अथवा

लोग कहते है कि मेरा जीवन नाशवान है। मुझे एक बार पढ़कर लोग फेंक देते हैं। मेरे लिए एक कहावत बनी है "पानी केरा बुदबुदा अस अखबार की जात, पढ़ते छिप जात हैं, ज्यों तारा प्रभात।" पर मुझे अपने इस जीवन पर भी गर्व है। मर कर भी मैं दूसरों के काम आता हूँ। मेरे सच्चे प्रेमी मेरे सारे शरीर को फाइल में क्रम से सँभाल कर रखते हैं। कई लोग मेरे उपयोगी अंगों को काटकर रख लेते हैं। मै रद्दी बनकर भी ग्राहकों की कीमत का एक तिहाई भाग अवश्य लौटा देता हूँ। इस प्रकार महान उपकारी होने के कारण मैं दूसरे ही दिन नया जीवन पाता हूँ और अधिक जोर–शोर से सज–धज के आता हूँ। इस प्रकार एक बार फिर सबके मन में समा जाता हूँ। तुमको भी ईर्ष्या होने लगी है न मेरे जीवन से। भाई ईर्ष्या नहीं स्पर्धा करो। आप भी मेरी तरह उपकारी बनो। तुम भी सबकी आँखों के तारे बन जाओगे।

प्रश्न– (1) उपर्युक्त गद्यांश का उपर्युक्त शीर्षक लिखिए। (2) अखबार क्या–क्या लाभ पहुचाता है ?
(3) उपर्युक्त गद्यांश का सारांश लिखिए।

प्र022. अपने जिले के जिलाधीश को ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर प्रतिबंध लगाने हेतु आवेदन पत्र लिखिए।
अथवा समय के सदुपयोग और परिश्रम पर बल देते हुए अपने छोटे भाई को पत्र लिखिए।

प्र023. निम्न में से किसी एक विषय पर रूपरेखा सहित सारगर्भित निबंध लिखिए– 4

(1) विद्यार्थी जीवन में नैतिक मूल्यों का महत्व
(2) प्रदूषण नियंत्रण : कारण एवं निदान
(3) शिक्षा के क्षेत्र में इन्टरनेट की उपयोगिता
(4) पुस्तकालय का महत्व
(5) मेरी स्मरणीय यात्रा